

ASHA ARCHIVES

782

I

SHRUTI HALL

200

[illegible][illegible]

आकर्तुं शक्ति साहाय्य सर्वदा सदा तु म सा क न क उ अथ पु न्य न क तु म सा च क न क न न व न
नि न सा न दा स्य धन धा स का प न न धा स ग या तु नि द द क थि द धन धा स ला हा ग क स सा न दा स्य वी न द
स र्वा न व गि नि षे च न द यी त य स र्वा क स्य स व स व वा दा त व त्रि वि ध न आ दि न ना ना ड वा य
न म जी त मृ तु द द द न धा स न स ध न द वा क र्त्त ला ग ना य च क त्रि हा त स्य न गि ले नि स र्वा
सं का न या द न त्रि यं आ क र्त्त वा दा ला क्ति व क्ति नि क न ना ना प चा न या द न मृ तु द क्ति नि क न
दृ ष्य न डा या का न व द स्य द र्श य आ त या क तु व दा का द क न त्रि ना या धा धा स्य व क्ति नि हा
य न द क्ति स्य स र्वा न का न द द द न धा गि न स र्वा म ल व न का न स क व क्ति न य या ज न स्य धा न
ना १० ॥ व द्वा रि ने वि प्रा ध न्य दृ ष्य न क व र्त्त जी मा य ध स र्वा ग न वी त म न र्वा क्ति नि वा गि त
॥ व द्वा र्ज न व वि प्रा ध न्य व दृ ष्य न धा र्त्त न स र्वा क व स र्वा व क्ति न क व क्ति न का न व स मा ग न मा य

का सा न धा य ड वा य ना र्त्त नि न धा स स र्वा व द द द धा सि मा या ग न स क क स र्वा व स र्वा य
द धा स न स का ल व स स म द या द द व र्त्त वा दा सि मा र्त्त व य आ त क मा य म द ना धा स्य धा स क
क स र्वा न स र्वा का ल व स व द मा ग न धा य धा य म मा न धा का ल व स द र्त्त ज न न स्य मा र्त्त क म
सा ज र्वा न द व स व य ज र्त्त ना जा र्त्त धा सि मा रि पु रि द र्त्त ना क न वा द द न धा य धा स का न व स न
व द्वा र्त्त ना न स र्वा स र्वा न म द द या द न धा य धा स क ल व द्वा ग थि द थि द धा का ड न स धा स्य
द ना द धा क ल व द्वा स म न क धा का व क क स र्वा वि ना रि दा त र्त्त ना जा या व चा न धा ल ॥ धा य धा य
क क स र्वा न जि का या न य धा न ~~व द्वा र्त्त ना न स र्वा स र्वा न म द द या द न धा य धा स~~ द द व क क स र्वा नि मा र्त्त क
॥ त्रि यं क ल व द्वा य द न नि न र्वा ना न या व स र्वा वा र्त्त द र्त्त क ल व द्वा धा य मा र्त्त क द न धा य धा स
स र्वा वि द्वा र्त्त ना न व द्वा र्ज न व वि धा न धा न ना ११ ॥ व द्वा र्ज न धा र्त्त ना क र्त्त ना वि द्वा र्त्त ना

[illegible][illegible]

ग्रा॥ धव प्रसाध काय प्रया ध्ववन हा दा हा छि व न व ऊ ग र स द ना ऊ न य य या य लार्थ म कि व रा
ला छि मी कू कू म ल डान क म खा ध प्र स मि सा का य प्र धा या प्र म ध ना र प्र सा कें मि व वान न या हा म ठ
हा क द ध धाल ध ना मन क सा ऊ न ऊ धा ग स र्वा (ग) भा चाने पू धा न ह धा कू न वि य धाल ध प्र स
मि का य व न हा या य ह म सि व ग थ ध का व र्ण दा न ह ला (थ स मी ह धा ना न ह धा ला का या ह ना मि व
दा हि ना र य धा प्र थ म ध थ म राल या व मी ह धा ना का य र न ग ह र न्य का न दू यि व धा र्थ मि व दा हि दू य
ध का व मि व न का य ल वान न या क व दा हा छि व न मि व वान न थ स मू द रू ना स कू म जा (ग) ध मि स
य कू द ल र्ण व र व द व द या धा र्थ हा दा (थ स वान न न धा या हा छि मि व ऊ रू ना ग थ व य धा या का य न
न स्व व र्ण ऊ कू स र र्थ थ स मू द ना न या व क ॥ प्र सा वि स्ता स ग थ म माल वा द द या व स मू द द थ स थ हा
धा र्थ ना का र्थ ध प्र स वान न धा या हा छि मि व छि वि स्ता स न व या ग थ जि मा व क न दा वा द द या व

प्र स वान न धा या (थ स का य न न धा या हा छि वान न कू मि व कू ला व रा ना या न र स द या व कू नू ग ठ न
य रान नू ग ठ वि द न मन रि स धा र्थ हा दा (थ स वान न न धा या हा छि मि व प्र म ध ना र प्र सा कें न
द्रा या धा य मा मा न ना धा य म धा या ऊ न कू का र्ज स मू न य या ग न र का या य माल कू न प्र म दू धा व ज
कू जा का व या नू ग ठ मि मा स र्थ र्थ ना धा ऊ न वा स या दा सि मा स का या व वि स्य द य धा र्थ जा क का व रि वा
द द या व थ व वा स थ दा व सि मा का स न न क का य न ना धा व थ म सि मा थ ल ग र न व द व द हा छि मू र्थ
का य न कू न ग थ म सि न कू र्म स र्थ ना नू ग ठ जा नि व सि मा स न ग ठ वा य द ना मि व दा हि ध का व ज
न कू द कू र्थ द व र ना धा न नू ग ठ का र्ज ड थ नि दू न दा र्थ मि नि धि र्ज या य माल धाल ना १३ ॥
क र्ण ना नि प्र मि रा वि दू र्थ प्र कू व नि य सा य स न (ग) व न व र्थ मू र्थी क कू वि भा चि त धा ग व ध न र

कृष्णवर्णिसाववव, ध्रुवाङ्कनषण्डा, नयादृष्टा, पिसावजनायनाडाडाखनधया, वासाधमयन, पिसावनधया,
 वाङ्कनधमयलयादृष्टा, पिसावव, कवंगलशना ॥ ध्रुवनसुवाङ्कनङ्कदनवायाडा, ध्रुनपिसावनखडाववि
 स्मयसुनखयाशना ॥ ध्रुवनसुधसनवासयादृष्टा, वनजालनगायावसावजवशना ॥ ध्रुवडाडा, ध्रुनपिसा
 वन, वडाशना ॥ ध्रुवाङ्कनसक, वरुनकडाव, ध्रुवनिज्ञाननसाननार्यवाठदया, दनिडवाङ्कन, वासापुनकी
 कास्य, नाजसयवनयाडाडा, नाजास्य, ध्रुवाङ्कननस्य, नाजसरिकनदानविवर्त्यशना ॥ ध्रुनित, लङ्गीरजम
 यवलससूनान, विद्ययादृष्टन, जनेथीशूडा, धनना ॥ १७ ॥ नाखनसर्वकार्येषूत्तनमात्रविनस्यति,
 त्वनमाननमुखन, मण्णगावायसिकन ॥ कृष्णार्कस्य, गद्वनसनमनन, गद्वीनसका, काङ्कनस्य
 वागद्वीनसक, यगन, गद्वीनसका, न, कास्यन, कास्ययादादवख ॥ धयाडवाधान ॥ गद्वि

[illegible]

पूणि। गावनागी विवाधा ना कसुसर्वेन दृश्यते ॥ गालपने। कसुसर्वेया। आनिविषयैक न वि
स्वमस्वभा प्रलसया दाव व्याद न जे लयी फुल का न न स दाव कसुसर्वेन का सी भाव का दृशा ॥ (थ
या उ वा खा हा ॥ गकिने न जे न स या द व म सी सी द कसुसर्वेन दाव दा हा म च व र्दे न न व स नू ख
म सिक सा या व स्त्राय म या सी ग जे व फुल का न न स द दृशा ॥ (थ स कसुसर्वेन म यो जी व व्या द
द ह ली भा व दृ दृ शा ॥ थ गिन भव या व ना क म स सा सी स न म न व धा व ना ॥ १८ ॥ यस्य व ड
सुखं ग म्य नि वृ धि सु क ट ४ म वा सर्व क र्ये न म ध स्त नि स्त ग र्ज व का धि या ॥ स या व डि द न ५
या स स्व रु पि ता वृ धि म थ न न न सु ख ला य म ॥ कि सिया य न स दृ वि या व पि ला व य म द र्य
वा द ज म क वृ धि न पि ला व व रु ना ॥ थ या उ वा खा ना ॥ गकिने न व न स र्ज म क क क र्ज ना ॥

हा न मा न जा न दा सी रि द या द कि सिये ला व म न क र्ज न मा ग स दृ हा ना दृ हा र्ज दा व य
ग स वा द र्ज न न व दा व दि न द र म या या व कि र्ज कि सिया य न स र्ज दा दृ ना ॥ (थ स सु य
या गा व न कि सिया मा र्ज दा न क र्ज व न पा व पि ला व य र्ज म द या व य न स र्ज म दा न र्ज स दा र्ज न
॥ थ स न स व क र्ज न ना न द र्ज वि आ क र्ज रु ना ॥ कि सिया य न स र्ज दा या व को रु क वा सी थ
सिक कि सिया य न स र्ज य रि स न र्ज वा न धा सी स न र्ज क या ॥ (थ स कि सिया य न स र्ज दा ज म
क न र्ज व न म यु न्थ य वि उ था य स य न म आ नि धा व न र्ज क या दा धा सी धा ना ॥ (थ स ना न द
सी य न म यु न्थ र्ज न स य न आ न स न म न रि स न धा सी हा दा र्ज रु ना ॥ (थ स ज म क न धा या क
य नि य न म आ न स न य न ग गा ग न स र्ज दा ज न न वा गा व र्ज र्ज दा दि ना क या न वा द व

वाधार्थं हा हा नाना दस्यं यत्र गच्छान् स नाना हन प्रदत्तं अथा यत्र गत्र समुद्रया तं
यत्र नाना गत्र कं, हून्दादि दत्तं वा ददस्यं तव रुना ॥ अगत्र समुद्रया तं यत्र नाना गत्र कत्तं वा
त धर्तं यत्र किमिया भाग्यं गहन वृत्तं वा धर्तं नर्तकं पि विस्मय वव रुना ॥ धर्तं यत्र हून्
दादि दत्तं गत्र नाना धर्तं नाना दस्यं यत्र गच्छान् स नाना हन प्रदत्तं अथा यत्र गत्र समुद्रया तं
वर्तकं यत्र कं पि विस्मय वव रुना ॥ धर्तं यत्र स्यात्तं दत्तं अगत्र स्यात्तं यत्र कृत्तं धर्तं यत्र ॥ १२
॥ कति नाना दत्तं गत्री स मसी ती सत्रि नं गत्र धर्म्या मी स वनि यत्र किं न य (हिसि ज म्ब कथा न
वा य, दि नानं यनी, दत्तं यत्र दत्तं वा ॥ दत्तं दत्तं वा का, ग (धर्म्या वा ज म्ब क य धर्तं यत्र
स्य दत्तं वा (धर्म्या न य दत्तं वा ज म्ब क दत्तं वा (धर्म्या वा ज म्ब क दत्तं वा (धर्म्या वा ज म्ब क दत्तं वा

धना दत्तानि धर्तयाणी, वव न मनि धर्तया, वानि य नि नि, अ नि स न्य नि धर्म्या यत्र यत्र धर्तया
यत्र कत्तं दत्तं रुना ॥ धर्तानि य नि नि, अ नि स न्य नि रुना दत्तं धर्तं धर्तया म वजा वन य
यत्र धर्तया लाय लयं वव न या दत्तं जा न या धर्तं य नि नि रुना धर्तं यत्र यत्र वानि स्यात्तं का वव
नि या, यत्र धर्तया य दत्तं धर्म्या न जा न या दत्तं रुना ॥ धर्तं दत्तं धर्तया दत्तं धर्तया दत्तं धर्तया
स य दत्तं धर्तया य नि य नि यत्र यत्र धर्तया, गत्र यत्र गत्र दत्तं धर्तया दत्तं धर्तया यत्र धर्तया ॥
मी सान मि या मू दत्तं य दत्तं धर्तया ॥ धर्तानि य नि नि, अ नि दत्तं रुना ॥ धर्तं यत्र धर्म्या
यत्र यत्र मि सान यत्र यत्र यत्र दत्तं दत्तं धर्तया धर्तया धर्तया धर्तया धर्तया धर्तया धर्तया
दत्तं यत्र यत्र यत्र दत्तं धर्तया यत्र यत्र धर्तया यत्र यत्र धर्तया यत्र यत्र धर्तया यत्र यत्र धर्तया यत्र यत्र धर्तया

वयाद कोदि का द काया ड लादा रू ग न या ड ना था व व स व द रु ना ॥ धमि सान क द न व
या ड सा न दा स म स्ये ड या व नू ख म दू थ म ख स्य रु या विषय द का दि कां जा द य द रु ना
॥ थ ड व नू स्या द गा (थे ध ना थ न स ड या य ह म स्य स्ये स्या स्य रु न दा स्ये क यु त्रि न दि नी
(थे रु ना ॥ थ ख न स थ मि सा या च त्रि ग सा य न व न म ध न र्त्त ज म् रु य न ना वा य जा द न ड म
थ ना वा च स्रु सि स ग या व दा ल स स ज द का न व दा ॥ थ व न स ना थि मा न य दा दा गा ला ड न
स स व द ॥ थ य या व या ध न ना न ग ना था मी सान कू ली स न धा या ध धा क य द वा न ज म् रु हा
क र्त्त रु ना थ म सान क म् रु न य न या धा क ॥ रु रु सि स य नि रु र्त्त कू ल नी ल वि व र्त्ति न धा कि मा व द
सि द व दि सान ना र्त्त कि न व स्य मि ॥ थ ड व नू ख सा या व रु रु रु वा थ व कू ल या स ना व र्त्त स ग

थ ड सा सा न थ म ध न र्त्त ज म् रु ना न ज्ञा ल धा स्ये ज म् रु क न दा दा रु ना ॥ थ ख न सा ख व न
र न र्त्त थ मी सा सि द नि रु न र्त्त (मा रु ना ॥ थ गि न थ व दू रु य म सा स्य म व दा य म ग व धा न ना
॥ २० ॥ सान ना र्त्त म् रु ग ना र्त्त वा द सि द म या कू ग थ म् रु कि ग थ दू ना धा नी य न रु स्या ना र्त्त वी
कू मि ॥ सि चान च ना या दा च न न वा द या दा वा द न र्त्त सि द या दा रु न थ म या द न या क दू न
ध नी रु ना रु सि च रु व धा स्ये धा मि स्ये व द वा ॥ धा क ॥ थ या ड वा द्या ना ॥ (मा रु र्त्त म् रु सि र्त्त
सि चान च न दि स्ये ग या ॥ रु ख न च ना या रु य न सि चान च ना या दा रु र्त्त वा द या रु न च ना न ज्ञा
व या दा सि द या रु य न वा द न र्त्त सि द या दा सि द रु रु न दा व थ म् रु मि सा ना म रु रु रु रु सि च
या ग ड यि व धा स्ये थ म य गि या न या क म् रु सि र्त्त मा व क या द धा व र्त्त रु ना ॥ थ सा या व थ मि न

धन, वृद्धिदत्त, वनयामन, अक्ष, वास, क (ग) यमगत, न, अ, थ, थि, द, मा, गि, द, क, स, थ, का,
 वा, त, व, वा, रु, स, व, रु, स, नि, त, नि, रु, स, चा, न, ध, या, थ, गि, र्थ, ग, आ, त, व, न, न, न, ज, को, या, न, य,
 दा, ध, र्थ, वा, न, न, ग, म, चा, या, त, वा, रु, स, दि, ग, का, त, रि, मा, ग, र्थ, व, दा, त, र्थ, ग, न, या, क, सा, थ,
 ध, व, र्थ, दा, त, थि, क, सा, र्थ, ग, न, मा, स, दि, ला, त, मा, च, र्थ, मा, र्थ, ना, थ, या, सा, न, य, नि, या, द, न, या, स, न,
 दू, या, ल, स, गा, र्थ, ध, स, र्थ, मा, न, के, ध, ना, ध, र्थ, र, व, र्थ, रु, ना, थ, ग, न, थि, क, सा, र्थ, ग, न, न, ड, य, द, ग,
 म, र्थ, या, ना, वि, या, न, ना, क, रु, व, ध, न, ना, २३ ॥ म, र्थ, म, रु, न, म, ध, र्थ, म, र्थ, र, व, गि, ना, स,
 क, र्थ, ग, र्थ, वि, धि, ध, र्थ, जा, र्थ, र्थ, द, द, र्थ, व, ना, ना, न, ध, म, र्थ, दा, का, म, र्थ, वा, ल, म, र्थ, र्थ, ना, य, क, रु, न, दा, त,
 रु, ठि, स, र्थ, द, मा, र्थ, दा, त, वा, न, न, द, द, ना, क, र्थ, ना, य, रु, ना, थ, या, द, दा, ना, (ग) कि, नी, त, न, स, व, न

न, व, स, र्थ, आ, द, रु, ना, क, र्थ, न, स, थ, वा, न, न, य, नि, व, ना, न, न, स, क, र्थ, न, रु, या, ना, गि, र्थ, ध, व, न, स,
 र्थ, थि, द, या, त, र्थ, द, थि, रु, थि, स, र्थ, द, मा, या, क, या, र्थ, दा, त, वा, न, न, य, नि, र्थ, र्थ, ना, क, या, दी, प, र्थ, र्थ, द,
 रु, थि, स, को, ग, ना, ध, र्थ, म, र्थ, ल, य, मा, न, रु, ना, थ, स, र्थ, का, य, द, दा, य, या, य, न, ध, र्थ, र्थ, लो, न, ल, या, त,
 (ग) कि, नी, वा, न, न, य, नि, र्थ, का, ध, न, क, न, क, र्थ, का, रु, ना, थ, थ, म, र्थ, ध, का, वा, (ग) कि, नी, वा, न, न, न,
 ध, या, का, ध, न, क, न, क, र्थ, ना, म, द, र्थि, या, ग, द, ना, त, र्थि, या, न, न, य, या, र्थ, का, य, रु, ध, ध, र्थ,
 थ, स, द, न, य, म, र्थ, र्थ, य, मा, न, वा, न, न, न, ध, र्थ, म, ध, न, म, जि, व, कि, जि, स, क, न, द, व, न, थि, थि, दि,
 या, ग, आ, दा, त, क, र्थ, नि, र्थ, का, ला, य, ध, र्थ, क, र्थ, नि, र्थ, स, क, न, द, रु, थि, स, क, र्थ, दा, द, मा, क, ध,
 न, न, म, र्थ, र्थ, ना, य, क, रु, न, दा, त, स, क, र्थ, ना, य, रु, ना, २४ ॥ दी, ग, न, वा, र्थ, र्थ, र्थ, र्थ,

नवाक्यं । दिग्गजं वास्यं उयं नवाक्यं ॥ कृ नंथको नाम कनिगनाजा ॥ दिगावदगवित्र नंथवि
दृ ॥ दीगखं क्रा यमनं वा सुदीगखं क्रा यमनं वा दीगखं उय द गविनापन विवत्र नंथ विथद
दवस्य ॥ धया उवा ध्यान ॥ गच्छिनी कलिज द गिया कृ नंथको नाम नजाखी ॥ कृ खनम ॥
पुह गक वं न सठन पुहय कं यदाव कृ युनियामम थन कव दू ना ॥ धया मस स
निविवन म हा उर्यागवित्र न या द र्वं (भा दा वा ना जा खी थय मया ला क हा दा ॥ थ उर्या
गवित्र न गानि या य या सुखं द्रिगिन द न न जा खी थय विवत्र न स दू थ दा गानि कृ अर
ध्या सी दीग उय द स विवत्र दा व ला क न म व स द्रिगिन द न ला या थ ना जा खी विवत्र न
दू थ द न भा व क व दू ना ॥ धय न दीग र न साना पुदीग र न साना उय द ग विवत्र न

वधनना ॥ २१ ॥ यिसर्न नव र्ग द्रया ल्कर्म ना हा ग मा ल्म ना विनाय क य स र्ग त वा
निजा सु ना र वा ना ॥ मी र्ग क्रा या ख थ च क र्म स र्ग त म भ या क र्म स न म ग द ॥ विनाय क
वै लू म य द र्वं वा निगा क द व स ॥ धया उवा ध्यान ॥ गच्छिनी द गिया द नि द वा
कृ त र्ग गीन क्रा दा विनाय क य निमा थ या थ थ व कृ रु या व स व न व न र्ग दू ज
ह य र्ग या र्व रू ना ॥ निनायि ना पु व ना या दा या द न न म द ग दा व ॥ कृ खनम ॥ वा कृ त
वै र्ग म या या व यिनाय र ना ल भा व क र्ग दा रू ना ॥ थ न स दी नाय क र्वं ग्या दा व स
मूर्तिन क दा व दिन प र्गिन म च्छि क्रा न म द वि या व ॥ थ न स नि स निता ग्या न या थ य
जा था दा विनाय क र्ग दा म विव रू ना ॥ थ दा म न वा कृ र्व ध नि रू व रू ना ॥ धा न दा व ना

कदाचिद्विष्णुः प्रकृतं सायात्र चरति दिव्यं च वरं विवाहा यायराज्यं च समस्तं नरकं च
अन्यथा यावत् कृत्या नृणां सा नाजन्तु सन्तं यच्च कृतं च ददितुं शक्तिः प्रकृतं च अस्माकं
सगकां न नाजन्तु सन्तं यच्च कृतं च ददितुं शक्तिः प्रकृतं च अस्माकं
यनसुदधकृतं नदिवदन्तं च यच्च कृतं च ददितुं शक्तिः प्रकृतं च अस्माकं
यनिसकृदकृतं नृणां यच्च कृतं च ददितुं शक्तिः प्रकृतं च अस्माकं
न अस्माकं नृणां यच्च कृतं च ददितुं शक्तिः प्रकृतं च अस्माकं
न अस्माकं नृणां यच्च कृतं च ददितुं शक्तिः प्रकृतं च अस्माकं
न अस्माकं नृणां यच्च कृतं च ददितुं शक्तिः प्रकृतं च अस्माकं
न अस्माकं नृणां यच्च कृतं च ददितुं शक्तिः प्रकृतं च अस्माकं

[illegible]



[illegible]

दातृं य नदि तन गौ सा क वन । समुद्र नी न स क पा न को स थ या त जा ग मा ना द नि द ध
 या (छो खल ना न) अ क न मा सा सा या त अ ति को गु क न ध र न श य द न न मा क म द नी
 हा दं क र च र न य नि का सा य मा न धा र्थ थ क या ल का स खी क चा स थ द जा व र ना
 व न ऊ ध दा त थ व क नि हा दं दा त थ खी क चा व नी य वि नी त्वं ल व द्वा क र ना ॥ छ क
 स सा ध व नी य वि नी र्थ थ क या ल का स सा या त थ व क नि थ या क या ल का स नि ध्य स न
 गी र्थ स चा य या द जा द क नी स न र्थ च न थ र्थ च नि वि स त व र ना ॥ थ व न सा वा नी
 हा र्थ स दा त थ व न य म हा नी क यि वा न धा र्थ धा ना न ग न य ग स चा र्थ द या स न

782

I

नै, धञ्जल, मिश्रमदन, धर्म, धान्नरुपा ॥ २८ ॥ शुचिनाधीनगानजो
मेगु वाक नल कही धर्मही लैत वनी गुं आबिनी (लेव विद्वान्) ॥ गुचस्य तव, थक न सु
वानिगुस्य तव, थखेन, मिमाजनया क, थगिद नार्थमदात्ता ॥ थया डया ध्यान ॥ गच्छि
नीद गन, महाधनाद, मतिपिंगन धाया, वानीदास, चक यग, नलपिंगन धाया, वानी
वानक गन नल, विवाहमधनि, थस विवाहायायन, ववन, वानिदास, थस जो (ग, हा
तशा राव, कल नव सायाव, भवद हाया, वानिदास, ध्याव, दूवानियाय, लैमि कुंया
डा, ध्याव क, यिनि कास्य, दृष्टुक नस, मग आदिन, आवाजन, लैसाव क, विवाहाया

कल्वैरुपा ॥ थया सिव, वानिया मजा गन, पत्रकं लिना दलिया द रुपा ॥ थखेन सा व
नन कायक लच्छन दास्य, यल निवा दव, युं स वास या दा, सत व वनी, क्रिउ व व रुपा
॥ नायिव, मना शासं चान दास्य, थयिनिभावा, तव दंदाव, की दु क वास्य, युं थथिद
खम, धास्य, सासं रुपा ॥ थस, धी नारु नस, वान न चक, य नखं का नया द, वून्दी डाय
थं दया दास्य दाव, थवानी, वगिनी चान, काम सन य रुयाव, थवान न, शासं गलया
व, सजा गया क रुपा ॥ थस, सन व वन, का न व वन, क्रिउ न जायाव, सा न दास्य, वानी
वगिनी मदग दाव, कं निहाव दाव, नलपिंगन वानी चावा दाव सा न दास्य

आच्छिद्यिज्जुनयनूखश्चमावानननामखनऊखवरुयितनाधायौदारव
 मवत्रकाववनाचिनदायावद्याननकोदाववाननकृगिदावयवेननकागि
 दावमृकुरुवरुमा॥वानिप्रविनीचानवाननदसथादावमाकुरुमा॥धर्गेन
 सुजनयाहीतस्यरावधीयेनाऊधमेकलनकनसूचनिप्रधर्गमथूनधान
 ना॥ २६ ॥मागार्जकयिताचैकआवधानविर्वैकनाश्रुदंनीगामनीवप्रसव
 नीगानवासन॥मामच्छूर्वायच्छूर्वाकैवनिनिर्द्धांगलयनिर्मडमाडवाकुपु
 कर्नऊरुमाडरुमपायिस्यंसायनैरुनर्जजानधौतेस्यैरुगुनयठयाद्याका॥ध

या उवाचा ना। (गोविन्दे नन्द गया, नाजाखी, श्रद्धा गकन, विद्या न, सदन न, रय वन के
 र्यं दा व, कुमुदिद गया, यार्ने ० स (थं दा व, द गवा नध सजी। (गोविन्द स, र गुया स नयं ग
 याख दा व साधु जन या कुला नयं विद्या मया म र्यं न तन न दा खी धर तु न, ख व ना
 दा व, धा व साधु के, जन ग, विद व न न विद्या, नाजा खी, प्र साधु था य, रा नयं, व व द दा
 व, द ग दू दा व न दा खी, र गुया स नयं, ग याख दा व, साधु जन या, कुला नयं, व न दा स
 धन र गु न नाजा खी, र्यं दा व, रा ना ऊ न्य श्र य न ख न, धि विद्या दा जि य नि स, मया धी म
 व चि व रु ना। (गोविन्द स, र क य नि न, नाऊ रु स र्ग, आ स न गं धा खी, धा व दा व, नाजा

लंको तु कचासीं गार्थं रतु या च गडा क रतु न चिदया दा थ नून शू द न्या दन
वो (ला रू नी) अद न धा सीं न ज्ञा सीं धा या न या व रतु न मा न र्च क वि ना र्च क धा
सीं व द वा (हा क) जि य नि स ड मा ग ड व व ॥ कु नू र न सा जि द या अ धि सीं भा य न र्च
न न न धा गि ख न धा सीं न ज्ञा र्च क द रू नी ॥ ध र्म ह धा य यु न वि (न ख न पु र्ण ग वि धा
ख न सु व न सु व न सु व न सु व न सु व न ना ॥ ३० ॥ ह द का म ध ना र न धी व दू ग
वि र्ण चि नी ॥ स व्ने ना सा स म र्च न अ द न ज गि य वि र्ण ॥ ग त न या क र्ण दा न र र्ण न
र्ण का य भा य र्ण (ग) स व्ने ना स र य न र अ द न सा या क र्ण वि र्ण क न ॥ ध या ड वा धा

ना ॥ (ग) चि र्ण द ग या स व द या नि र्ण का य य नि द व ध का य य नि र्ण दा व पु र्ण अ द
उ त न दा र्ण द्ध थ य वा ख स ज्ञा र्च न (ग) मि मा स क र्ण दा या र्ण द थ या ख या न न
स ल दि व द य र्ण द थ दा या ख दा व ध म त न न का य य नि दा या का य क न च्छ या नि
कु र्ण कि र्ण मि मा या क चा चि क गि स व दा व म द न र्ण क न न र दि ना व र्ण स का गि
न र्ण दा व ग न व न ग न चा न व व स त न न ग या व सा न दा र्ण अ य नि अ व नि र्ण का य
भा य र्ण दा व अ व या म ख ल क चा स र्ण दा व पु र्ण भा य र्ण अ व या क द न का र न र्ण
च न न ख न धा सीं व ना र्ण न क य र्ण च्छ र्ण का र दा व न य ना र्ण च्छ र्ण क का व र्ण

॥ कृष्णभाकरुना ॥ धनं न सवे न सरु यतन ॥ सुदु न स या कर्तुं आनि धानना ॥
 ३१ ॥ न को को न ग वे र्क वा ॥ इ दि का ये ग र्ते न पि भ क क र्ते स य भ द न वा
 क (सा जी व ना य न भ म चि का र्ज न ॥ न को ग क य म ग र्ते कृष्ण क क र्ते मा य य र्ते
 ग न वा क स र्ते य न य म य दा द त र्वा ॥ य या ड पा य ना ॥ ग क र्ते नी द र्ता वा क
 स र्ते य न द र्ता व न या द त र्वा न खान पि दा र्ता ॥ य न तु स क क र्ते कृष्ण ज द स र्ता व
 र्ता मि स ता य न सी य त रा न य द या वा र्ता ॥ न ख द र्ता ग य धा र्ता ॥ ग वा ग स या ड व र्ता
 य द र्ता ॥ न स मि मा कृ मा र्ता व र्ता मि मा को स ज त दि या त थ वा क स र्ते वि ध

म या द कृ द न द र्ता द र्ता ॥ धा र्ता मा स को ख त स र्ते ज द थ मि मा या ग न स क
 सु स र्ते वा दा थ क सु स र्ते व को ख त सु न्य न य न मि ग या दा त वा द य थ व स
 र्ता दा त वा क स र्ते वा द को ख न क सु स र्ते दा दा रा मि ग कृ न द या द य ना ॥ स भा वा
 क स या मि स र्ता ज न क र्ते न ग ड र्ते न धा या त धा न दा त क सु स र्ते न थ ना र्ता र्ता
 द र्ता र्ता न स वि र्ता थ वा क स र्ते द स र्ता र्ता मि ग कृ ग या य द र्ता र्ता र्ता ॥ धा या (थ
 स को ख न मि र्ता नी न य य र्ता स न त न दा र्ता ग स या ड र्ता दा त वा ड नि र्ता दा त सा क
 र्ता र्ता ॥ थ स क क र्ते वा ड न र्ति दा र्ता व या त थ व क र्ता द दा त को ध न र्ते को ख ग

लसगिसीगयात लनकनवरुना॥ (यसककठनहादा कृम्याय नारु नसा ऊंस्वामि
 वाक्कनल्वै विषलिको सीम्या चकविदन पथमयागसा थवाक्कनल्वै दार्थं च्चकोख
 भाचक धीस्यंदादाव कोख ग्यादाव कृषूस्येहाकल्वैरुना॥ रामिगकृषूस्येथ
 वाक्कनल्वै चक विषलिकोस्यं ऊंजीवेदानविदन धीया (यसकृषूस्येन मिदस्य
 रिन वाक्कनल्वै विषलिकोस्यं चक रुना॥ (यसककठन कोखगालन च्चकरुना॥ व
 क्कनल्वै दनचाया तगावगिरुना ददवीदाथक कठवसवीदखदाव कोखनपिक
 नरा नपथक कठकाया तल्वैस गा नगाथ रुना॥ धननसल च्चकोस्ये द न

गाने सद्यमयकगनेवनमगन धानना॥ ३२ ॥ यससिदामसिदूने संरम
 गानित्रीकस। झागसिखीमयाधर्क माक्कलीनगुमिक्कगि॥ खान च्चलरच्चसंदन ऊं
 आनवनच्चन ऊं कंकनयायर्गदा ऊंनसपग धगधस्यं वाक्कनल्वै च्चनादादा (हो
 क॥ थया उयाथान॥ गच्छिने दधीया वाक्कनल्वै दविदुहयात रुंकोस च्चवदयका
 त थच्चवसा नवनित दिनयर्गि च्चनाननवनवरुना॥ कखनसा थवाक्कनल्वै च्चवसा
 नवनदास्यं च्चनयया दतव च्चनान वदुरनय वाक्कनल्वै च्चवसास्यं च्चोदाव वाक्क
 नल्वै (था (हो कर्त्तिरुना॥ दधीमीहावयात नजाया दानया सहा दनस थ (हो कस्येन

वगा॥ अथ नशाद हिया ना जाचू कुनया चक याद माहाथहास्य नव नाजावागुभून
गदविविय छेदन हाकलंरु मा॥ दुवीपारन नवन कुतयाय छेनि नथ आदिय
वानकादू थमसा रुन स नाजास गाव समा नयाय गदाव नस नाजास ग जलयन
मकलस्य मगीस वचन तम दाव कुन याय रा न वीं दा न नखा न तून र नाजास
खा न सा सा य द रु ना॥ थखेन सा नाजास न वाक दस्य जीसा ग या दस सिस्द नै छेक
वन दलं रु ना॥ थग या वा थमस्य च दा सा रा व डा व व हिला दाव नाजास्य स्या ना रा न
प नवन वसं रु दाव हाक पस्य ज दू र नमदा नाथ्य द महाथहास्य नख जं स्य दा

ज नकल पालस्य दान कयप नागमरु याधस्य सर्वे वृक्ष नख दान दाव नाजा
स्य मनी छानिया दन नव पसाद विस्य थ छेक चीक वाक नै संपसाद विस्य सुख
न को दै ने द रु ना॥ थगिन कुरु न सान् छेक यदय द्वायक छेक यदय दलुसक द
नख धान ना॥ ३३ ॥ डरास्य मपिकार्य थ नाज दान नगम्यत ॥ डरा व विमै वानि छे
गगतिरु क थो जथा॥ कू कार्य भूथनी थखेन नाज वैन पधान पाग दू व नी मदयक
दादि पवादि नक वन वग वा छेग न मदयक नक वग वन गग वतिरु न व ना
कद ख॥ थया ड वा थाना॥ गाकि नीथ यम गग धी या यं कि जागि पाख स वस्य जी दा॥

कृत्स्नसमौ नमा नया द. म न व (भा. ध ग ग या सा स. गि रु न. चाँद व. ग ग लि हा व न दा स्यं थ
व कृ स. म व र्वं दा व. ह थं नि स्यं ज. यो दा कृ स. ग थ यो दा धा स्यं हा दा ॥ गि रु न न धा या स
मि. या व. यं ना. रु न. यि गि. म धु य. स नानै थ व धा य म दू. व ल ४ य मा न धा स्यं सी वा द रु या
व. ध र्व या. यं ग न. या न या व क. वं गु हा धा स्यं आ व या. यं ग न या य. म व दू. ध नि क न धा
या. रा टि. ध मी थि स य हा क. वा य वृ थ ग न न य. थ स क. वं गु हा धा स्यं वं (ग रु ना ॥ ध र
टि ना थ य नि व व र्वं दा व. थ म ध र्म स रु. वा दि य न न. वा दा थ स थ रा टि या क. न धं व या
व. न न स्य नै थ व थ व स वि धा न. ख दा स. क द रु ना ॥ थ स. रा टि न ज न. स्वा स न न. म ना मा

म व ग द. क न वा. धा स्यं वी दा व. थ व रि न. व न दा व. न या ला हा ग नै. न धं क व दि स्यं मा
व कृ रु ना ॥ ध ग न. यं क स न थ. रु व न नी. म द य क. वा दि य व नि थ म रु का. ना ज क न व न
म ग व. धा न ना ॥ ३ ॥ सा ध. मा तु न गी ग न. वा र्ज मा ना यि नि स्य से। अ व. वा जि म नी यं ध य
क गी ग स्य यं रु खं ॥ श गि र्वं. ग दा व व न. म द स. दि न य गि. वं ला का र स द य क म हा न रु न दा
यं अ व. व र्व व व न ना ग. म हा ना या रु न न र्व धा स्यं जं व क न. हा दा (श का ॥ थ य उ या आ न ॥
(गि रु नै। द न या ॥ य टि मि नि. ग धू व म र्वं दा व. द ग पा रं थ म आ दा न. म द ग दा व ध ग धू न.
थं गु धा नै न द जा व रु ना ॥ थ व न सा जं व क कृ र्वं आ दा न मा न जा न दा स्यं थ ग धू रु व

नमि कु नयं चादस्यं कव वया गायं सुका स र्वा (ग) तु वस न क वा द य दा थ स थ द्रु आ
द्रु तु व न या त्व गध क्षीर ना न य गायं भ दा ना न तु व स न स र्वा व रु ना थ स क म थ म
न व तु व थ न न गाय धा स्यं दिन व र्गि ग द म द स्य र्ने व त्वा च्छे न स तु व थ न न ग या ड
या ध च्छे ग या क्रि थ या थ न न व द स्यं या ध व क द वा द रु ना थ र्थं दा त्वा र्ज व क न ग ध
मा तु न गी ग न धा य (ग) क व न यं हा क ज न ग क व च न म द स्य भ दा न रु या या रु न न य
न न यं न थ रु गु नि ना धा स्यं हा दा थ ग न ही ग न गी क वा च न क न मा न व न का न म सा स म
आ दि ये च्छे न म ग व धा न ना ३१ ॥ इ व मा ना पि वा य न य ४ या र्थ न नि व र्ण ना प्र सा

दय गि दू स धा व व क ४ क क र्ग का य हा वा व न व द्रु या द वा न वा व व र्ण न वा रा न र्थ (ग) न
खा द व द्रु वा हा न वा च्छे न ग कान न ना र न क क उ न ना न न ग क द व र्वा थ या ड या स्यं
ना (ग) च्छि नी नि न उ न थ य स पृ ष नि द स्यं र्वा (ग) थ व पृ ष नि स क ट क म हि त थ य रु न प्र
न ग क व स र्थं चा द थ दा व च न स दा व वा क म हि न आ थ वा हा न च्छे न थ म का स न
म द्वा ग द न र्ज दा न रु स्यं आ व या ड या य नि या य धा स्यं पृ ष नि सी स चा दा व प्र नि क नू ना
या द खा या व र्वा (ग) रु ना वी द्रु द द्रु खा व स न ना या व सा न व या व को तु क वा स्यं क व
को म क व र्वा दा हा च्छि व क स च्छे गु न प्र म थ प्र नि क नू धा न ची न धा स्यं सी क रु ना

२४
थस वा हो न न धाया म काम खन कयनि न जाया पूजा या न काम द न दान धय पूष नि
स दावा निव धाया म च्छ वा न य नि मी स धा न या क न जाय म द न वि या गा मी द या
ध न न च्छ वा नि मा न दा व ऊ न आ दा न भा यि द ध न न च्छ वा नि र्व दा व क छ वा मी धा न दा डा
दा द की रु गा स ता या व ऊ म ध र्मा रू न सा जि य नि उ य द न ध या उ वा य या क न जि य नि न
ख न य म न रि स न धा मी वा हा न या क वा धे न या दा थ स च्छ वा नि मा य य न सा ऊ न क
वि न्ध स या य च्छ न सा ऊ न उ वा य या क ॥ थ स दा न धा या उ वा य व ष रू स न धा न दा
व वा हा न न धा या थ य पूष नि व गा या न म न ष या स न म दा प ष नि स ऊ न म च्छ वा न म
व गा न न म व पूष नि स व य क य न धा मी वा हा न न दा दा व उ वि ग या य व गा न य

न गु या क रू ऊ न य क न न म दू ऊ ऊ स जि व या उ वा न नि सा य धा मी आ च न या व द व क
स जि य नि उ न नि न आ च क व य क य द न धा मी धा न दा व वा हा न न म व पूष नि स य
न धा मी य दा व च्छ था य स न न र्मा गा रु ना द्वि र्थ थ र्थ य दा व थ धा य स दा या का म क ० रु क
दा य वि न क ग व रु ना च्छ दू या प ष व स थ य पूष नि या क क छ क र्मा न ऊ व य क य न म न री
स न धा मी धा न दा व क क उ या सो द वि न य मा न क क उ डा थ य स य दा व न र्मा गा
रू ना ॥ थ स क क उ न दा का म क ० दा का र न न य ग व र्व दा व आ व नी ऊ मा य मा ना थ दू ना
मा वा हा न न थ र्थ थ म न र्मा आ च क न स द आ व या थ ना गा वि सा स दा न या क गा न थ मी स
य म व सा य धा मी क क उ न वा हा न ग न स नि मी आ च रु रु ना ॥ थ ग न थ म या दा वा य न सा

३८ ॥ यस्तु धर्मध्वजानि र्थं ध्वजं
उगवास्तिर्गोपकृजानि कृपापाति वेजसं नाम गतवच ॥ (गानय नृपया धार्मिक यन्न
वहनयं यवहीत सहाव गाकयस्य युक्ताय योदाने प्रकृत धार्मिक यन्न सदा (ध
वेजगत् वृत्तगटिया धर्मध्वजा ॥ ध्यातवाश्चाना ॥ (गच्छिर्न धायस कुवसत्यै वां (ग
धकुट दस्यं दात आथ रगिन कुं आसायादा नयाग उवाय सवगा मथनेदू कपट ध
मिरुयाव विस्वासया चक धार्मिक यनिस वाससवदाव द्विथं मानयादाव कृष्ण शुभ
न वादाव धर्मज्वरि कुरुया वकुर्वी सस्यं नार्वच रुद्रमनच दिव्यं दवगा दिवि
गानका ॥ मारुय वासु उगानी सस्यं वाग उगासदा अहिसा यनभा धर्म सर्वेश (गवि व

जिगी ॥ ध (ध्वजं यनयं वादा ॥ धया कुर्थमव स्या यक यनम धर्मज्ञ न समस्य उवसा गता
नगंन यान वंधयार्थं मगत्वा ॥ ध अहिंसा धर्मन स्वमेस दवगा गतया द गा ना गतया द
जानिव धर्म पदयं वादागायाव कुयनिस्य धार्मिक तानयं धर्मकथा कंदर्प मन
हिसन धार्मिक रटिर्वां दा धायस वंदाव (धसरटिन शास्त्रिक यनिस ऊरुन यस्य
मिळुं उं स सुधी नसंसा न मवया चं रययाय कर्म भवन वसये गयान नसं वं गथन
वापान थथिद पायदह मूकियाय पंचवृंदाय दयाद समस्य उवसा गगादगं य
नमात्मा यनखलं आवनय थथं यनन कं जस भादमदग धार्मिक धानदाव कुयनिस्य
भाद दयक आसान अम पनारु नसा जियनि यनम दिक्षा विस् भाद विदून् धार्मिक

नक्षत्र रटिन कथनि भाकविय यनसा सकल दक्षकूनमजि वद्विन निर्वै धन
यननमजि वदिका विर्यनि वीन काय धार्य गुफथय सज नवाव (थथय वाद यद
वद्विन नैर्वै धननस्यै ददकां भावक र ना धनन थवही लसराव गाकयस्यै धमि
यनन विस्मा सयाव काव भवसा कन्या धर्म धन वदना ३१ ॥ श्री लोही वृष्टि गैद
हा र्द ग मा मा ससं कया उ पा छ छ वि नै कारै नि ना स न ग क गि ॥ नि म ल मि य
सान स द व जै व क न ना रा न यै कां ग न व न दा वे भ आ सान उ पा स न वा द का गै द
व या व नै कौ व भ नै र्वा ग र ना ध या उ पा व्या ना (ग वि नै व न स ज म् क न श द
स मा न र न दा स्यै सि म ल मि वा द स्यै वा द स्यै दा व ना वा न स्वा स न व रा न यै श

सा या द का गै द व न दा व न रा न यै स्यै द्रु चा द्रु उ पा स न मि मा का स थ मा या व का गै द
व थि व ल द वा द र ना नि (थ मि म न मि व र्वा र लि गै द व र स न का गै द व य उ
नै ग दा व सा न दा स्यै ना म खा रा न यै भ न हो शो न मा न र्वा ग र ना ध न न थु म व क
न यै म स या व ना थ सा ग म न यै र्वा न म न व धा न दा ॥ ३८ ॥ व दू रि स दि नै ध र
न न स म गी मा न वि श स र वा वि या स म थ न वा द न श ग न मि वा ध र ग न र्वा उ र
या द न ग्या नि वा द न वि व क न र्वा व व न यै द व र वा ध र मा र्वा म न न यै ज न स
न वि वा ध स्यै वा द स र्वा ध द व र वा ध या उ पा व्या ना (ग वि नै अ वि र्वा ज द
श दू मि वि य या द सा न स द्वा दा व जा द र वा र्वा दा व ध र्वा र्वा स दू म द वा न

[illegible]

धन दा॥ ७० ॥ अक का यो धिनो रूखा, आग वगो रुमंडनी यदा विदिन संपादं, गण दा वगमि अगिधा
काय कुधन संपद विपद धन कु काय त्र न स नानं क उखीरु न दव काय सिद्धय क दव या धन उपा
धान ॥ (ग) कुन, पामस सवन न न वा स दु सग व, (प) सध वा ग ग दा स स वा द, वा र्य दा व आ का स स र्य स
रु व व द स नि न न न व वा, (प) स व द स नि न र्क, पा ग न क द व रु क न धा या, कु न धा व ध धि (ग) का न वा
ग स, प रु द र्य, अ व व नि रु क उ मा य म्वा ना धा र्य, (प) स रु क न धा या, रु कि म्वा य या उ र्य स पि र
न रु स रु वा र न ग च र्क व ल रु स, ध वा स या दि ति ना व रु दा व वा य र्क य न गा यि न वा य क र्य दा उ
ग व न आ स व र्गी व, (प) स नि धा लि हा यि व, ध ग रु न दा व रु कि य न म मि ग रु ता व द व ध स क र्क दा व वा
हा रु दा क रु व न धा र्य, धा न रु व र्क वा ग रु क न, ग व स न धा र्य, न रु क गा न र्क स द र्य वा य क र्य दा व

(पुसकवतशुसवदवकुर्वीगारुमा॥वदखनिचुर्यकवकवपासहनकावसुखनकावह॥गारुमा॥
 धगनर्वकाउर्यरुसहनसाकुकार्जसाधनधरुनसमाजिदयधनमा॥७॥यस्यद्वीविपववि॥यगारुका
 विंदगना॥शालिगत्रदयजाभाशुरुनयनिगाविगा॥(गाकिर्नगीनप्रत्यखनयनखखनकंजालवशालिगन
 यादुर्नप्रसगायकंप्रनयथददवसा॥थयाउपाख्यनि॥(गाकिर्नदगयासुजुप्रनयसुप्रमिसुदनिवीविगव
 गीधायानामयनयनखवतलया॥कुरुनसापुनखमद्वनसुजात्रयवलादादुसुननीकुथकुसनाध
 कुसुप्रनगचिवविनादयार्थनांधानुठाननसाविनदयायप्रमियस्यासुजात्रनिजुनमनदधानदवदुदु
 जनर्वदवधुर्वसिकारुवनकिंजार्थनर्वमुमधूसीलागदावधमयया॥थंरुवखधूसीसागवदुदुसु
 ॥धार्थयायधुर्वववनर्वदवधुर्वसिकारुकोसकोमकिंजयादुरुना॥धवनसाधुनखनधवकुसमदगदवगीमव

याहानयमात्रवकुना॥धवयुनखववस्यदावधमिसानगात्रसुनगस्यधमनकागधुर्वसिकारुसादु
 ना॥(पुसयुनखनहादु॥शालिगिजुकुसमदवकुनसुनगमात्रयधुनाकुनथनवावधूसीलादुखव
 कुजुनधमसाधुधुर्वनयसीवयाधवकुना॥(पुसयुनखननधयाकुनधुर्वनययारुनसाकुनहयावन
 सनैमगकनाधकधया॥(पुसयुनखधमसाधुनययारुनयधयाकुथनवायाकुजुयमागसुअनसा
 दून॥धमिसानधुनखहादुधवदुधवनदुःनमिसदुःखनयादुहादुहसाधिसुथाथनाकिमजुनकुनसैद
 भवमिसावधुधुर्वसादुधुर्वसादुहा॥(पुसयुनखमीनगार्थियसुधुममदधूसीजुनगयादुवैद॥(पुसमी
 नहादाकुहावमकुसिमागसुवनिधुधुधमकुहावयवजुनवदवधुनखनकसावकंगयावजादववी
 नादयाकरुना॥धखंदवयुनखनधयागार्थिप्रार्थिधेदुनसमिसाखादुधुधनगयावजुनवविनादयागसु
 निकीकुधुधुर्वसादुहादुधमिसानजालवियकंकायावहाकिमिदुयभवमिसावजायाधुर्वजुनव

३४

विनयको गथा का सा नवन धर्म का वादा ॥ यमयूनवन धर्म यूननि धुयनं च यनिन धर्म वाद सर्वे का थनया
 उतु धन धर्म का दा ॥ हर्मा मिमान हा का ॥ कनिर्म खद्र कपुर्क दनर्म दध धर्म यमरा वना धर्म का दा ॥ य
 सला द्वे मुक्त न धर्म यो ववर्ग न धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ धर्म न मि धर्म गति या मु नगी क विनय न वस
 न सला ववर्गु न धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ ३२ ॥ गजा वन वन सला ववर्गु न कर्क को मय ववर्गु न
 यय विविध मा न मू को सिर्व वयं दी य ॥ गग मा व ॥ नमद सा य व गगु थ व क मय म स
 गन मरु व वन सला य व व गगु थ व क मय म स ॥ विविध मय वन कु न र टि दा का
 ववन सला ववर्गु न धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ गग मा व ॥ नमद सा य व गगु थ व क मय म स
 ववन सला ववर्गु न धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ गग मा व ॥ नमद सा य व गगु थ व क मय म स
 यम सला य व वन सला य व व गगु थ व क मय म स ॥ विविध मय वन कु न र टि दा का

यमरु वर टि या रन नवन धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ गग मा व ॥ नमद सा य व गगु थ व क मय म स
 सला य व वन सला य व व गगु थ व क मय म स ॥ विविध मय वन कु न र टि दा का
 कधर्म धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ गग मा व ॥ नमद सा य व गगु थ व क मय म स
 कर्क विविध मय वन कु न र टि दा का
 धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ गग मा व ॥ नमद सा य व गगु थ व क मय म स
 ववन सला ववर्गु न धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ गग मा व ॥ नमद सा य व गगु थ व क मय म स
 ववन सला ववर्गु न धर्म यो ववर्गु न सला ववर्गु न ॥ गग मा व ॥ नमद सा य व गगु थ व क मय म स
 यम सला य व वन सला य व व गगु थ व क मय म स ॥ विविध मय वन कु न र टि दा का
 यम सला य व वन सला य व व गगु थ व क मय म स ॥ विविध मय वन कु न र टि दा का
 यम सला य व वन सला य व व गगु थ व क मय म स ॥ विविध मय वन कु न र टि दा का

[illegible]

उनिनाजायायधार्म्यनिमीयादावनाजासराजियर्कनाजपुलिषकवियर्गनाजाधवनस॥
 कुजसग्गानिजवकलोवनधयाकोखनपुमेउलिनाजायमरुसगरुपनिशुनमनमनयाधर्मिग्वर्यकन
 कीनाजायामाशुकनसखैयशुकलस्यवकथेश्वरु॥नममनावनदस्यैर्यरसायदुआकायतमजानकावपुम
 मासावगधस्यधार्म्यविद्वनयैनाजामाकरना॥यध्ववननयादगससगुवयध्वर्यविगुयधार्म्यधानकावद्वैधि
 माकोखनउलिमावकयागडयायऊनमायपुगिनयावधवदहविरक्षयादकडनिवादागिमासपुनवकावराष्ट्रिउ
 विनाकसनेकिसकनरुनगुलख्यदुमाधार्म्ययवेगानिकखनदेकस्यनविकनयैरमावकसकसकगननवयानायनपदधर्म्य
 उलिमासना॥भसउनिपनसुसगरानयैविस्वसनदुवायरुना॥यसकाखनउनिवससुर्वालिमासउनिमासासचासुडनिदाका
 भनदनवैसावकगाथावशमवसववरुना॥यगनद्वविनाधधुवाभियवननवनसर्वाविस्वगमनवधनदा॥७७॥कूनिद्वनीसर्वावा
 नकथासमाकाधनगगाखानवायधर्मगयातना॥
 विस्वसुयाकैकसुलासिकनसवीगनिदुषलासिकनैवदुमधिथेकुलिदिनसममाकयादोकेला॥

37

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥